

हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(दूरी)(पाठ 4)(सोहनलाल द्विवेदी- ओस)
(कक्षा 8)

अभ्यास

1. कविता से

क:

कविता में रतन किसे कहा गया है और वे कहाँ-कहाँ बिखरे हुए हैं ?

क:

कविता में रतन ओस की बूंदों को कहा गया है , जो कि घास फूलों और पत्तों पर बिखरी हुई है ।

ख:

ओस कणों को देखकर कवि का मन क्या करना चाहता है?

ख:

कवि का मन करता है कि वह इन ओस की बूंदों को अंजलि में भरकर अपने घर ले आए और उन्हें निहारते हुए उन पर कविता लिखे ।

10. रूप बदलकर

चमक — चमकना — चमकाना — चमकवाना

‘चमक’ शब्द के कुछ रूप ऊपर लिखे हैं। इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों का रूप बदलकर सही जगह पर भरो—

दमक, सरक, बिखर, बन

प्रश्न क:

जरा सा रगड़ते ही हीरे ने शुरू कर दिया।

उत्तर क:

दमकना

प्रश्न ख:

तुम यह कमीज किस दर्जी से चाहते हो?

उत्तर ख:

बनवाना

प्रश्न ग:

साँप ने धीरे-धीरे शुरू कर दिया।

उत्तर ग:

सरकना

हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(दूरी)(पाठ 4)(सोहनलाल द्विवेदी- ओस)
(कक्षा 8)

प्रश्न घ:

लकी को मूर्ख तो बहुत आसान है।

उत्तर घ:

बनाना

प्रश्न ङ:

तुमने अब खिलौने बंद कर दिए?

उत्तर ङ

बनाने

